जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक : *भोगल*
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक 113
दिनांक 23.09.2021

जनेकृविवि और IRRI फिलीपीन्स ने इजादा की धान की सीधी बोनी हेतु अंर्तराष्ट्रीय स्तर की नवीन मशीन

जबलपुर 23 सितम्बर। जवाहरलाल नहरू कृषि विश्वविद्यालय स्थित कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय के कृषि यंत्र एवं शक्ति अभियांत्रिकी विभाग तथा इंटरनेशनल राइस रिसर्च इंस्टिट्यूट (IRRI) फिलीपीन्स के मध्य रिसर्च प्रोजेक्ट के अंतर्गत धान की सीधी बुआई के लिए एक नवीन मशीन का अविष्कार किया गया है। कुलपति डॉ. प्रदीप कुमार बिसेन, संचालक अनुसंधान सेवायें डॉ. जी.के. कौतु एवं अधिष्ठाता संकाय, कृषि अभियांत्रिकी डॉ. अतुल कुमार श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में इस विकसित मशीन का विवि प्रक्षेत्र में सफल परिक्षण किया गया। यह स्वचलित मशीन धान के बीजों को बराबर कतार से कतार तथा बराबर 4–5 बीजों को एक जगह पर बुवाई करता है साथ ही मशीन उर्वरक को मिट्टी के अंदर डालती है। इस मशीन की कार्यक्षमता 1 एकड़ प्रति घंटा है। इस मशीन का उपयोग कर किसान धान की बुवाई कम समय एवं कम लागत में कर सकते है। देश–विदेश में यह मशीन निश्चित रुप से किसानों के लिए उपयुक्त होगी ऐसा विश्वास वैज्ञानिकों द्वारा प्रकट किया गया।

इस मशीन को डॉ. अतुल कुमार श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में पी.एच.डी. छात्र इजी. प्रभात कुमार गुरु वैज्ञानिक, राष्ट्रीय चावल अनुसंधान केन्द्र, कटक द्वारा विकसित किया गया। विवि में भ्रमण हेतु आए इंटरनेशनल राइस रिसर्च इंस्टिट्यूट के वैज्ञानिक डॉ. प्रदीप सगवाल और डॉ. सूर्यकांत खंडाई ने मशीन की सराहना करते हुए कहा कि यह मशीन धान की सीधी बुबाई के लिए भारत में ही नहीं अपितु बांग्लादेश, म्यामार और अन्य कई देशों में मील का पत्थर साबित होगी। इसी क्रम में धान में यंत्रीकरण को बढावा देने के लिए संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें दोनों संस्थाओं के वैज्ञानिकों ने गहन चर्चा की और भविष्य में भी किसानों के हित के लिए लगातार कार्य करते रहने की बात कही। इस कार्यक्रम का संचालन डॉ. धनंजय कदम एवं आभार प्रदर्शन डॉ. मनीश पटेल द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में सभी अधिकारियों, कर्मचारियों एवं छात्रों की उपस्थिति रही।

–000–